# 'प्रमाणपत्र'

*मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि कु.मनिषा मारूतराव तिवले ने शिवाजी विश्वविद्यालय की एम.फिल.(हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत लघु- शोध- प्रबंध ''रामदरश मिश्र के 'पानी के प्राचीर ' का अनुशीलन'' मेरे मार्गदर्शन में लिखा है।यह उनकी मौलिक रचना है, जो तथ्य इस लघु-शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किये गए हैं,मेरी जानकारी के अनुसार वे सही हैं। प्रस्तुत शोध कार्य के बारे में मैं पूरी तरह संतुष्ट हूँ।*

**कोल्हापुर**

*दि: 29 जून,1996.*

**शोध निर्देशक**

29/6

*(डॉ.वसन्त केशव मोरे )*
*एम्.ए.पीएच् डी.*
*भूतपूर्व अध्यक्ष,हिंदी विभाग*
*शिवाजी विश्वविद्यालय,कोल्हापुर*
*महासचिव,दक्षिण भारत*
*हिंदी परिषद,कोल्हापुर*
*सदस्य,महाराष्ट्र राज्य हिंदी*
*साहित्य अकादमी,मुंबई,*

शिवाजी विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग कोल्हापुर

— परीक्षणार्थ प्रेषित —

29/6/96

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर - ४१६००४

# प्रख्यापन

यह लघु-शोध-प्रबंध मेरी सर्वथा मौलिक रचना है,जो शिवाजी विश्वविद्यालय,कोल्हापुर की एम.फिल (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी भी विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

**कोल्हापुर**

दि. 29 जून ,1996

**शोध छात्रा**

Tiwale

*(मनिषा मा. तिवले)*